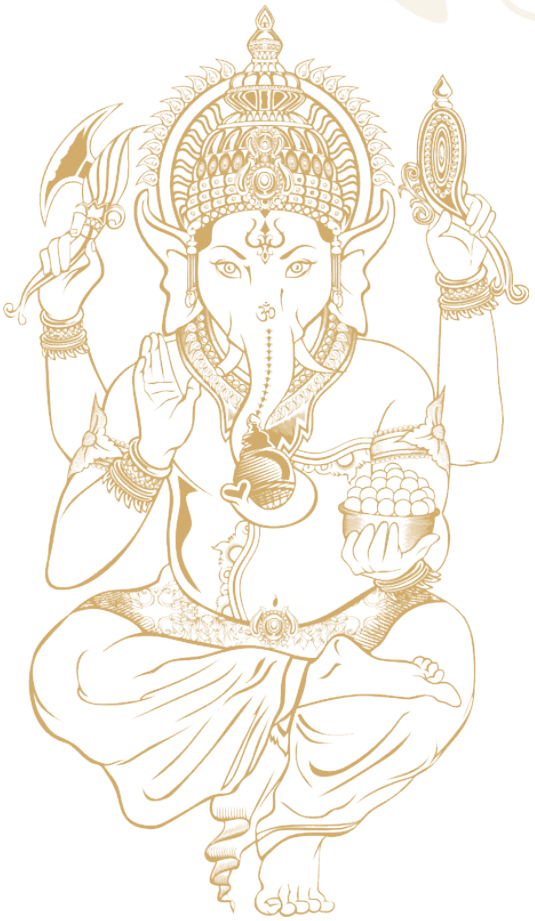

Madhav

Neha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121153506

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/06/1995	जन्म तिथि	20/08/1999
मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 11:00:00	जन्म समय	13:15:42 घंटे
घटी 14:01:05	जन्म समय(घटी)	18:28:58 घटी
India	देश	India
Mathura	स्थान	Mathura
27:30:00 उत्तर	अक्षांश	27:30:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:33	सूर्योदय	05:52:06
19:14:46	सूर्यास्त	18:52:46
23:47:46	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:55

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 1वर्ष 5मा 27दि	10:47:00	सिंह	लग्न	वृश्चि	09:09:00	शनि 0वर्ष 0मा 3दि
सूर्य	27:58:04	वृष	सूर्य	सिंह	03:01:07	शुक्र
10/12/2023	28:49:44	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	16:39:38	23/08/2023
10/12/2029	15:08:31	सिंह	मंगल	तुला	28:00:23	23/08/2043
सूर्य 29/03/2024	16:36:40	वृष व	बुध	कर्क	15:47:29	शुक्र 23/12/2026
चन्द्र 27/09/2024	15:14:40	वृश्चि व	गुरु	मेष	11:06:01	सूर्य 23/12/2027
मंगल 02/02/2025	09:18:22	वृष	शुक्र व	सिंह	03:17:45	चन्द्र 23/08/2029
राहु 28/12/2025	00:30:42	मीन	शनि	मेष	23:14:54	मंगल 23/10/2030
गुरु 16/10/2026	10:52:38	तुला व	राहु	कर्क	19:01:55	राहु 23/10/2033
शनि 28/09/2027	10:52:38	मेष व	केतु	मक	19:01:55	गुरु 23/06/2036
बुध 03/08/2028	06:05:26	मक व	हर्ष व	मक	20:28:19	शनि 23/08/2039
केतु 09/12/2028	01:13:12	मक व	नेप व	मक	08:28:36	बुध 23/06/2042
शुक्र 10/12/2029	04:48:15	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:53:22	केतु 23/08/2043

लग्न-चलित

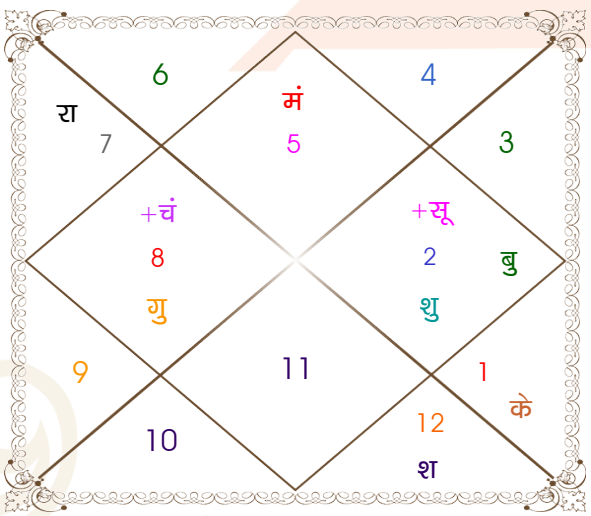

लग्न-चलित

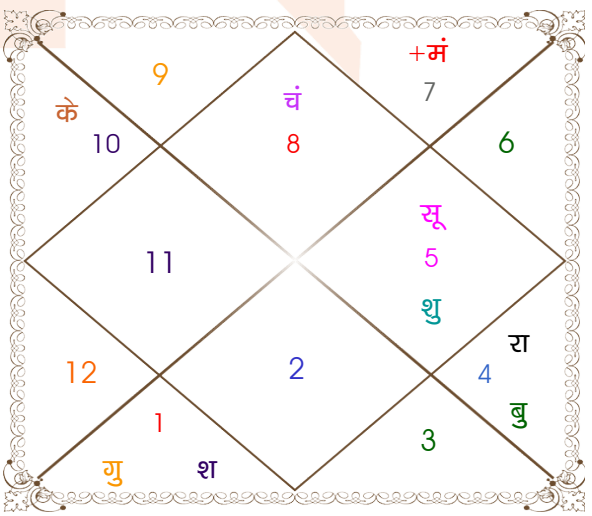

Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.00		

Madhav का वर्ग मृग है तथा छर्मी का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Madhav और छर्मी का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Madhav मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

छर्मी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल छर्मी कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि छर्मी कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Madhav कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Madhav तथा छर्मी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।